शिक्षा संस्कार ॐ सहभागिता समरसता

बांसवाड़ा परियोजना

कार्यालय -भारत माता मन्दिर, राती तलाई, बांसवाड़ा (राज.) 327001
फेक्स : 02962-240018, फोन नं. 02962-240018, मो. नं. 9414101912, 9414102261
Email : bharatmatamandirnyas@gmail.com ◆ Website : www.banswarapariyojana.com

माह - मई 2019 अंक- 009

विद्यालय एवं छात्रावास

चर्च की विश्व का ईसाईकरण करने की योजना के तहत ईसाई मिशनरी द्वारा मूलभूत सुविधाओं से वंचित देश के अन्य भागों की तरह ही दक्षिणी राजस्थान के इस जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में भी सेवा के नाम का मुखौटा लगाकर धोखा और प्रलोभन देकर जनजाति समाज का धर्मान्तरण किया जा रहा है। नक्सलवादी भी इस क्षेत्र में अलगाववाद फैला रहे हैं,क्षेत्र में चल रही इन राष्ट्रविरोधी साज़िशों को खत्म करने का लक्ष्य लेकर बांसवाडा परियोजना ने आर्थिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक स्तर पर उपेक्षित इन जनजाति समाज के बंधुओं तक पहुंचने के लिये विद्यालयों व छात्रावासों को माध्यम बनाया है। शिक्षा-संस्कार एवं बंधुत्व भाव के मूल मंत्र के साथ ग्रामवासियों की सहभागिता के साथ विद्यालय एवं छात्रावास प्रारम्भ किये। प्रारम्भ में 10 वीं-12 वीं की पढाई कर चुके स्थानीय नवयुवकों के माध्यम से छोटे-छोटे गांवों में विद्यालय प्रारम्भ किये, बांसवाडा परियोजना द्वारा समर्पित भाव से चलाये जा रहे इन विद्यालयों में पढने वाले विद्यार्थियों को अच्छे संस्कारों के साथ ही अच्छे परीक्षा परिणाम के कारण क्षेत्र में विद्यालयों की प्रतिष्ठा और अपनत्व का भाव बढने से क्षेत्र में विद्यालयों की संख्या बढने लगी। वर्तमान में बांसवाडा परियोजना द्वारा संचालित 334 विद्यालयों (203 प्राथमिक, 93 उच्च प्राथमिक 17 माध्यमिक एवं 21 उच्च माध्यमिक) में पढ रहे 25333 छात्र/छात्राएँ को 1275 शिक्षक/शिक्षिकाऐं संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान कर रहें हैं। सभी विद्यालय राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त है।

• पढाई छोड चुके,और अन्य विद्यालयों में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को प्रयत्न पूर्वक इन विद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है,जिससे वह अपनी आगे की पढ़ाई पूरी कर अपना भविष्य ठीक कर सके।

•बांसवाडा परियोजना द्वारा अन्य जितनी भी गतिविधियां क्षेत्र में चलती हैं, उन सभी में इन विद्यालयों की प्रमुख भूमिका रहती है।

प्राथमिक विद्यालय बोरिया

शिशु वाटिका चीतरी (डूंगरपुर)

सरस्वती विद्यानिकेतन उच्च प्राथमिक विद्यालय मोरडी (बांसवाडा)

विद्यानिकेतन माध्यमिक विद्यालय छोटी सर्वा (बांसवाडा)

विद्यानिकेतन माध्यमिक विद्यालय घडावली(झालावाड)

श्री राम उच्च माध्यमिक विद्यानिकेतन सज्जनगढ (बांसवाडा)

वेद विद्यालय

Subscribe Past Issues Translate

मानकर उसी बर्ष 2015 में ही जनजाति समाज के बालकों के लिये "गोकुलम" योजना में 5 वीं-6 वीं अध्ययनरत बालकों में से कुशाग्र बालकों का चयन कर भारत माता मंदिर बांसवाडा में महर्षि बाल्मिकी वेद विद्यालय प्रारम्भ कर दिया,और तब से प्रतिबर्ष 5 वीं उत्तीर्ण बालकों में से चयन परीक्षा के माध्यम से चयनित बालकों को वेद पाठशाला में प्रवेश दिया जाता है। वर्तमान में दो अलग अलग माध्यमिक विद्यालय केन्द्रों पर क्रमशः 11 एवम् 12 बालक अपनी नियमित पढाई के साथ- साथ श्रेष्ठ आचार्यों के सान्निध्य में वेद अध्ययन और गीता कंठस्थ कर रहे हैं।

वेद विद्यालय के बालकों को आशीर्वाद देते हुये मान् श्रीमान दिनेश जी (पालक अधिकारी वि.हि.प.) श्रीमान सुधांशु जी केन्द्रीय मंत्री वि.हि.प.व अन्य अधिकारी गण

विद्यालयों को सुचारू रूप से संचालन हेतु व्यवस्थायें

आचार्य प्रशिक्षण वर्ग :- बालकों को स्तरीय शिक्षा के साथ संस्कार मिले इसके लिये परियोजना में कार्यरत शिक्षकों के शैक्षणिक उन्नयन तथा सर्वांगीण विकास हेतु बर्ष में दो बार तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग विद्यालय के पंचाग (Calender) के अनुसार आयोजित किया जाता हैं, जिसमें संस्कार, सामाजिक समरसता,वंदना अभ्यास, शैक्षणिक एवं शारीरिक शिक्षण का प्रशिक्षण तज्ञ विशेषज्ञों द्वारा दिया जाता है।

निम्न प्रशिक्षण वर्ग श्रेणियों के अनुसार आयोजित किये जाते हैं ।

• परियोजना में प्रथम बार चयनित शिक्षकों का प्रशिक्षण वर्ग स्वतंत्र रूप से आयोजित होता है।

• नये और पुराने शिक्षकों का सामूहिक प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होता है।

• माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का प्रशिक्षण वर्ग बिषय और जिम्मेदारी के अनुसार पृथक-पृथक आयोजित किये जाते हैं ।जिसमें उनको बिषयों से सम्बन्धित प्रशिक्षण योग्य विशेषज्ञों द्वारा दिया जाता है।

• परियोजना में कार्यरत वरिष्ठ कार्यकर्ताओं (चयनित) का वर्ग भी पृथक से आयोजित किया जाता है,जिसमें समय पर पाठ्यक्रम पूरा हो, विद्यालय संचालन में आने वाली समस्याओं का निदान, विद्यालय की स्थानीय समिति सक्रिय रहे, आदि बिषयों पर चिंतन होता है।

नवीन चयनित शिक्षकों का प्रशिक्षण वर्ग

पूर्णकालिक कार्यकर्ता चिन्तन वर्ग

पाक्षिक बैठक

बांसवाडा परियोजना द्वारा संचालित विद्यालयों, छात्रावासों एवम् अन्य सभी गतिविधियों के सफल संचालन के लिये सभी पूर्णकालिक
प्रवासी कार्यकर्ताओं (54) की दो दिवसीय बैठक माह की 2-3 तारीख व 17-18 तारीख को होती है, इस बैठक में परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहते हैं। दो दिवसीय इस बैठक में क्षेत्र में चल रहे कार्यों की समीक्षा,समस्याओं का निराकरण आगामी कार्यक्रमों की योजना करना, परियोजना द्वारा संचालित अन्य सभी आयामों के बारे में और सामाजिक बिषयों पर भी गहराई से चिन्तन होता है। बैठक में भाग लेने से इन सभी पूर्णकालिक प्रवासी कार्यकर्ताओं का उत्तरोत्तर विकास भी होता है।

पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की पाक्षिक बैठक में श्रीमान् रामस्वरूप जी महाराज (परियोजना प्रमुख) श्रीमान सुरेश जी उपाध्याय(मंत्री बांसवाडा परियोजना)

परीक्षा विभाग

बांसवाडा परियोजना द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत 25000 से अधिक विद्यार्थियों की बर्ष में दो परीक्षायें (बार्षिक एवं अर्ध बार्षिक) होती है, इन परीक्षाओं के लियेमण गोपनीयता के साथ प्रश्न-पत्र बनाना, उत्तर पुस्तिकाएं तैयार करना सहित सम्पूर्ण तैयारी परियोजना में कार्यरत

पत्रों में से एक प्रश्न पत्र किया जाता है, उसके बाद गोपनीयता के साथ प्रश्न-पत्रों की छपाई होती है।परीक्षा से पूर्व विद्यालय के लिये निर्धारित कोड (CODE) के अनुसार प्रश्न-पत्र, उत्तर पुस्तिकाएं वअन्य सामग्री विद्यालयों को भेजी जाती है।

परीक्षा परिणाम

उपरोक्त वर्णित परिस्थितियों में बांसवाडा परियोजना द्वारा संचालित विद्यालयों में कक्षा 10वीं - 12वीं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों राजस्थान शिक्षा बोर्ड का बर्ष 2018-19 का परीक्षा परिणाम निम्न रहा।

कक्षा	छात्र	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	उत्तीर्ण	(%)
10 वीं	710	180	310	96	586	83%
12 वीं	407	133	178	28	339	84%

विद्यालयों की प्रबन्ध समिति

बांसवाडा परियोजना द्वारा संचालित अधिकतम विद्यालयों का संचालन बांसवाडा परियोजना द्वारा मनोनीत स्थानीय समिति करती है।परियोजना की केन्द्रीय समिति समय समय पर स्थानीय समिति का मार्गदर्शन करती है।विद्यालय की स्थानीय समिति में सभी जाति बिरादरी का प्रतिनिधित्व रहता है।

खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगितायें

बांसवाडा परियोजना द्वारा संचालित विद्यालय में शिशु वाटिका से कक्षा 12 वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिये बर्ष में एक बार श्रेणीशः तीन दिवसीय पूर्ण आवासीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं बार्षिक पंचाग (Caneder) के अनुसार निर्धारित स्थान एवं निश्चित दिनांक में अलग अलग वर्ग के अनुसार एक साथ 50 से अधिक स्थानों आयोजित की जाती है।

इन तीन दिवसीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में शोभायात्रा, मंचीय कार्यक्रम में गीत,कविता,भजन,नाटक,एकल व सामूहिक नृत्य व खेलकूद प्रतियोगिताओं में खो-खो, कबड्डी कुश्ती, बॉलीबाल, दौड, गोला फेंक, रूमाल झपट एवम् सामूहिक साहसिक खेल भी होते हैं।

• इस तीन दिवसीय खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र/छात्राओं की रहने,खाने पीने सहित सम्पूर्ण व्यवस्थायें स्थानीय ग्रामवासियों द्वारा की जाती है।

• तीनों दिन स्थानीय व आसपास के गांवों के ग्रामवासी बडी संख्या में कार्यक्रम में सम्मिलित होकर बालकों का उत्साहवर्धन करते है, तीन दिन तक गांव में मेले जैसा माहौल रहता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेल कूद प्रतियोगिताएं विद्यालयों में

*Copyright © *2019* *BANSWARA PARIYOJANA*, All rights reserved.*

Our mailing address is:
BHARATMATAMANDIRNYAS@GMAIL.COM

Want to change how you receive these emails?
You can update your preferences or unsubscribe from this list.

This email was sent to <<Email Address>>
why did I get this? unsubscribe from this list update subscription preferences
Bharat mata mandir · Bharat mata mandir · rati talai · Delhi, 110009 · India